B.M.A. COLLEGE, BAHERI

B Ed I st yr's
Paper - 1. Childhood & growing up
Unit - 5
Deptt of Education

Date - 3/07/2020
ASSISTANT PROFESSOR
MADHU MALA KUMARI

मन्द बुद्धि बालक

मन्द बुद्धि बालक मूढ़ (Dull) होता है। इसलिए उसमें सोचने, समझने और विचार करने की शक्ति औरों से कम होता है।

परिभाषा :-

क्रो & क्रो के अनुसार :- "जिन बालकों की बुद्धि लब्धि 70 से कम होता है उनको मन्द बुद्धि बालक कहते है।"

स्किनर के अनुसार :- "प्रत्येक कक्षा के छात्रों को एक वर्ष में शिक्षा का एक निश्चित कार्यक्रम पूरा करना पड़ता है। जो छात्र उसे पूरा कर लेते है उसे सामान्य छात्र व जो उसे पूरा नहीं कर पाते है उसे मन्द बुद्धि कहते है।"

पोलक व पोलक के अनुसार :- "मन्द-बुद्धि बालक को अब क्षीण-बुद्धि बालकों के समूह में नहीं रखा जाता है जिनके लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है अब कहते है कि उनके व्यक्तित्व के उतने ही विभिन्न पहलू होते है। जितने सामान्य बालकों के व्यक्तित्व के होते है।

मन्द बुद्धि बालक की विशेषताएँ :-

क्रो & क्रो के अनुसार :-

i) दूसरों को मित्र बनाने की अधिक इच्छा
ii) दूसरों के द्वारा मित्र बनाये जाने की कम इच्छा
iii) विद्यालय में असफलताओं के कारण निराशा
iv) संवेगात्मक व सामाजिक असमायोजन

Scanned with CamScanner

स्किनर के अनुसार :->

v) सीखी हुई बात को नई परिस्थिति में प्रयोग करने में कठिनाई
vi) व्यक्तियों व घटनाओं के प्रति ठोस और विशिष्ट प्रतिक्रियाएँ
vii) मान्यताओं के संबंध में अटल विश्वास
viii) दूसरों की तनिक भी चिन्ता नहीं सिर्फ अपनी चिंन्ता
ix) किसी बात का निर्णय करने में परिस्थितियों की अवहेलना जैसे - धन की चोरी करना, बुरी बात,
x) कार्य और कारण के संबंध में उटपटांग धारणाएँ

फेंडसन के अनुसार :-)

xi) आत्म विश्वास का अभाव
xii) 50 से 70 या 75 तक बुद्धि लब्धि
xiii) विभिन्न अवसरों पर विभिन्न प्रकार का व्यवहार जैसे-प्रेम, भय, मौन, चिन्ता, विरोध, पृथकता, या आक्रमण पर आधारित व्यवहार
xiv) मन्द बुद्धि बालक धीरे-धीरे सीखते है, अनेक गलतियाँ करते हैं जटिल परिस्थितियों को ठीक तरह से नहीं समझते है कार्य-कारण संबंधो को समझने में साधारणतः असफल होते है और अनेक कार्यों के परिणामो पर उचित विचार किये बिना बहुधा भावावेशपूर्ण व्यवहार करते है।

सहायक प्राध्यापिका
मधुमाला कुमारी
शिक्षा प्रभाग

Scanned with CamScanner